Dr. Sarita Devi
Assistant Professor
Department of Psychology
Maharaja College, Ara

Neuropsychological defects in Epilepsy (मिर्गी में न्यूरोसाइकोलॉजिकल दोष)

मिर्गी (Epilepsy) केवल एक न्यूरोलॉजिकल विकार नहीं है, बल्कि यह मस्तिष्क की कार्यप्रणाली को व्यापक रूप से प्रभावित कर सकता है। यह संज्ञानात्मक (Cognitive), भावनात्मक (Emotional) और व्यवहारिक (Behavioral) कार्यों में गहरी कमी ला सकता है।

1. मिर्गी से जुड़ी प्रमुख न्यूरोसाइकोलॉजिकल समस्याएँ

(I) संज्ञानात्मक दोष (Cognitive Impairments): मिर्गी के कारण मस्तिष्क की विभिन्न संरचनाओं में असंतुलन हो सकता है, जिससे संज्ञानात्मक समस्याएँ उत्पन्न होती हैं:

स्मृति दोष (Memory Impairment):

- अल्पकालिक (Short-term) और दीर्घकालिक (Long-term) स्मृति कमजोर हो सकती है।
- टेम्पोरल लोब मिर्गी (Temporal Lobe Epilepsy) में स्मरण शक्ति सबसे अधिक प्रभावित होती है।
- नाम भूलने की समस्या (Anomia) और नई चीज़ें सीखने में कठिनाई हो सकती है।

ध्यान और एकाग्रता में कमी (Attention & Concentration Deficits):

- व्यक्ति छोटी-छोटी बातों को याद नहीं रख पाता।
- मल्टीटास्किंग में कठिनाई होती है।

कार्यकारी कार्यप्रणाली (Executive Functioning) की समस्या:

- निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित होती है।
- समस्या-समाधान (Problem-Solving) की क्षमता कमजोर हो सकती है।
- योजनाएँ बनाने और उन्हें लागू करने में कठिनाई होती है।

Edit with WPS Office

गति और मानसिक लचीलापन (Processing Speed & Mental Flexibility):

- किसी जानकारी को समझने और प्रतिक्रिया देने की गति धीमी हो सकती है।
- नई परिस्थितियों के अनुकूल ढलने में कठिनाई होती है।

(II) भावनात्मक और मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव (Emotional & Psychological Impact): मिर्गी से ग्रस्त लोगों में मानसिक स्वास्थ्य समस्याएँ आम होती हैं:

अवसाद (Depression):

- आत्मग्लानि और निराशा की भावना।
- किसी कार्य में रुचि की कमी।
- अत्यधिक थकान और ऊर्जा की कमी।

चिंता (Anxiety):

- भविष्य को लेकर अत्यधिक चिंता।
- सामाजिक स्थितियों में डर और असहजता।

भावनात्मक अस्थिरता (Emotional Instability):

- छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा आना।
- मनोदशा में अचानक बदलाव।

मिर्गी से संबंधित मनोरोग (Epilepsy-Related Psychiatric Disorders):

- Interictal Dysphoric Disorder (IDD): यह मिर्गी के मरीजों में आम है, जिसमें व्यक्ति उदासी, चिंता, चिड़चिड़ापन और नींद की समस्या महसूस करता है।
- Psychosis: कुछ मामलों में, मिर्गी के कारण मनोविकृति (Psychosis) भी हो सकती है।

Edit with WPS Office

(III) भाषा और संचार पर प्रभाव (Language & Communication Deficits): मिर्गी के कारण भाषा और संचार से जुड़ी समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं:

- शब्दों को पहचानने और उपयोग करने में कठिनाई।
- बातचीत के दौरान सही शब्द न खोज पाना (Word-Finding Difficulty)।
- धीमी भाषाई प्रक्रिया (Slow Linguistic Processing)।
- टेम्पोरल लोब मिर्गी से ग्रस्त मरीजों में यह समस्या अधिक होती है।

(IV) व्यवहारिक समस्याएँ (Behavioral Issues): मिर्गी वाले व्यक्तियों में सामान्यतः निम्नलिखित व्यवहारिक समस्याएँ पाई जाती हैं:

- आक्रामकता (Aggression): छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा आना।
- सामाजिक अलगाव (Social Withdrawal): लोगों से मिलने-जुलने से बचना।
- आवेगशीलता (Impulsivity): बिना सोचे-समझे निर्णय लेना।

2. मिर्गी में न्यूरोसाइकोलॉजिकल दोषों के कारण

मिर्गी में मानसिक और संज्ञानात्मक कार्यप्रणाली प्रभावित होने के पीछे कई कारक जिम्मेदार होते हैं:

(I). मिर्गी के प्रकार (Type of Epilepsy):

- टेम्पोरल लोब मिर्गी (TLE) – स्मृति और भाषा प्रभावित होती है।
- फ्रोंटल लोब मिर्गी (FLE) – निर्णय लेने और व्यवहार नियंत्रण की समस्या होती है।

(II). दौरे (Seizures) की आवृत्ति:

- बार-बार होने वाले दौरे मानसिक कार्यप्रणाली को धीमा कर सकते हैं।

(III). एंटी-एपिलेप्टिक दवाएँ (Anti-Epileptic Drugs - AEDs):

- कुछ दवाएँ ध्यान, याददाश्त और भावनात्मक स्थिरता को प्रभावित कर सकती हैं।

Edit with WPS Office

(IV). मस्तिष्क की संरचनात्मक क्षति (Brain Damage):

- हिप्पोकैम्पस और अन्य मस्तिष्क भागों की क्षति स्मृति और संज्ञानात्मक कार्यप्रणाली को प्रभावित कर सकती है।

(V). बाल्यकाल में मिर्गी (Childhood Epilepsy):

- यदि बचपन में मिर्गी शुरू हो जाए, तो मानसिक विकास में बाधा आ सकती है।

3. उपचार और प्रबंधन (Treatment & Management)

(I) दवाओं द्वारा नियंत्रण (Pharmacological Management)

एंटी-एपिलेप्टिक दवाएँ (AEDs) जैसे कि Carbamazepine, Valproate, Levetiracetam आदि उपयोग की जाती हैं।

ध्यान रखना चाहिए कि कुछ दवाएँ संज्ञानात्मक कार्यप्रणाली को धीमा कर सकती हैं।

(II) न्यूरोसाइकोलॉजिकल थेरेपी (Neuropsychological Therapy)

संज्ञानात्मक पुनर्वास (Cognitive Rehabilitation):

- मेमोरी ट्रेनिंग एक्सरसाइज़।
- ध्यान और एकाग्रता बढ़ाने के लिए एक्सरसाइज़।

मनोचिकित्सीय सहायता (Psychotherapy):

- काउंसलिंग और बिहेवियर थेरेपी।
- संज्ञानात्मक व्यवहार थेरेपी (CBT)।

(III) मिर्गी की सर्जरी (Epilepsy Surgery)

- यदि दवा से दौरे नियंत्रित न हो, तो सर्जरी एक विकल्प हो सकता है, जैसे कि Temporal Lobectomy, Vagus Nerve Stimulation (VNS) आदि।

Edit with WPS Office

(IV) जीवनशैली में सुधार (Lifestyle Modifications)

- पर्याप्त नींद लें और तनाव कम करें।
- संतुलित आहार और नियमित व्यायाम करें।
- मस्तिष्क को सक्रिय बनाए रखने के लिए मानसिक गतिविधियों (पढ़ाई, पहेली खेलना) में भाग लें।

निष्कर्ष (Conclusion)

मिर्गी केवल शारीरिक दौरे तक सीमित नहीं है, बल्कि यह संज्ञानात्मक, भावनात्मक और व्यवहारिक कार्यों को भी प्रभावित कर सकती है। सही उपचार, दवाओं, मानसिक पुनर्वास और जीवनशैली में सुधार से इन न्यूरोसाइकोलॉजिकल दोषों को कम किया जा सकता है और व्यक्ति की जीवन गुणवत्ता को बेहतर बनाया जा सकता है।

Edit with WPS Office

Edit with WPS Office